1-12-15
मंगलवार

❀ दर्शन ❀

कई आत्माओ का उद्धेश केवल "सदगुरु" का "दर्शन" करना ही होना इस जनम मे वे केवल "दर्शन" करके ही प्राण त्याग देती है, केवल "दर्शन" से ही अगले जन्म की दिशा तय हो जाती है।

बाबास्वामी
1/12/2015

2-12-15

❀ शुद्ध इच्छा ❀ बुधवार

जब आत्मा केवल "सदगुरु" के दर्शन की "शुद्ध इच्छा" के साथ शरीर छोड़ती है।

तब कहीं अगले जन्म मे "सदगुरु" के दर्शन हो पाते है।

बाबास्वामी

2/12/2015

3-12-15
गुरुवार

❀ जलाशय ❀

एक रेगीस्थान मे एक छोटा सा "जलाशय" को देखकर भी एक प्रकार का समाधान प्राप्त होता है। वैसे ही आत्मा के लीये सदगुरु का दर्शन का अनुभव होता है, पानी मीला नही, पर मिलने वाला है।

बाबा स्वामी
3.12-15

103
4.12.15

❀ पानी ❀ शुक्रवार

पानी का महत्व भी
प्यास के कारण ही
पता लगता है।
प्यासी आत्मा "चैतन्य"
रूपी पानी की एक
एक बुँन्द का भी
महत्व जानती है।

बाबास्वामी
4/12/15

❀ आत्मा ❀ शनिवार

आत्मा की दिशा सदैव प्रगती की ही होती है प्रगती कीतनी और कब होती है, यह "दिशा" के ऊपर निर्भर होता है।

बाबास्वामी
5/12/2015

6.12.15
रविवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" और "ओरा" २४ घंन्टे कार्यरत रहता है, शरीर आराम करता पर यह एक क्षण भी नहीं, यह सदैव याद रखे।

बाबास्वामी
6.12.15

7.12.15
सोमवार

❀ आत्मा ❀

"ओशो" को आज मशीनों से देखा जा सकता है। कल "आत्मा" को भी देखा जायेगा।

बाबास्वामी
7.12.15

8.12.15

❀ विज्ञान ❀ मंगलवार

विज्ञान के आधुनिक
उपकरण आध्यात्मिकता
को सिद्ध करने मे
सहायक हो रहे है।

बाबा स्वामी
8.12.15

9.12.15

❀ उपकरण ❀ बुधवार

नये उपकरण आत्मीक प्रणाली का मापदंड हो सकते है। पर "अनुभूती" नहीं। करा सकते।

बाबास्वामी
9.12.15

10.12.15

❀ अनुभुती ❀ गुरुवार

अनुभुती तो केवल उस
"निराकार" से ही प्राप्त
हो सकती है, क्योकी
"आकार" आया की सिमारे
आयी

बाबास्वामी
10.12.15

11.12.15
शुक्रवार

❀ निराकार ❀

मंगल मुर्तीया निराकार का
उपकरण नही है, निराकारि
स्वंयम उसमे स्थापीत है,

आत्मस्वामी
11/12/15

भविष्य

12.12.15
शनिवार

श्री मंगलमूर्ति निर्माण
यह आध्यात्मिक जगत
का विज्ञान से दो कदम
आगे का कदम है।
आने वाले समय मे विज्ञान
उसका भी प्रमाण देगा

बाबास्वामी
12/12/15

❀ निराकार ❀

13.12.15
रविवार

वास्तव "निराकार" को देखा नहीं जा सकता केवल अनुभव कीया जा सकता है।

बाबास्वामी
13|12|15

14.12.15

❀ दर्शन ❀ सोमवार

श्री मंगल मुर्ती भी दर्शन करने के लीये नही दर्शन की अनुभुती लेने के लीये है।

स्वामी
14-12-15

15.12.15
मंगळवार

❀ दर्शन ❀

अनुभुती लेने के लीये
आत्मा बनना होना है।
मंगलमुर्ती का "दर्शन"
आत्मा बनकर लो

बाबास्वामी
15.12.15

गुरुवार
17.12.15

बहुमुल्य

आत्मशान्ती वह "बहुमुल्य" हिरा है। जो इस संसार मे सबसे "बहुमुल्य" है।

बाबास्वामी
17.12.15

117

18.12.15

❀ चोर ❀

शुक्रवार

सारी दुनीया और दुनीयावाले "चोर" है। यही समझो और अपने "आत्मशान्ती" रूप "हिरे" को उन्हे चुराने मत दो।

बाबास्वामी
18/12/15

19.12.15
शनीवार

❀ चोर ❀

आपके अपने "घर" मे
भी यह चोर हो सकते
है, सावधान रहो।
"आत्मशांन्ती" को सबसे
बचा कर रखो।

बाबास्वामी
19.12.15

119
रविवार
20.12.15

❀ आत्मशांन्ती ❀

जिवन मे "आत्मशांन्ती"
के लीये सब कुछ दे
दो, आत्मशांन्ती को
खोने मत दो

आत्मस्वामी
20/12/15

120

सोमवार
21.12.15

आत्मशान्ति

विदेश मे धनाढ्य साधक मुझे कहते है। हम सब कुछ खरीद सकते है। पर "आत्मशान्ती" नही।

बाबास्वामी
21.12.15

मंगलवार
22.12.15

खोज

"आत्मशान्ति" को बाहर
नहीं भितर खोजो।
वह आप के भितर ही
प्राप्त होगी

बाबा स्वामी
22/12/15

बुधवार 122

23-12-15

आत्मशांन्ती

मैंने जिवन मे सब
कुछ खोने दीया
"आत्मशांन्ती" को
छोडकर

बाबास्वामी
23/12/15

गुरुवार
123
24.12.15

आत्मशान्ती

आज "आत्मशान्ती" के
कारण ही जिवन के
उस "मुकाम" पर पहुचा
है। जहाँ पाने के लिये
ही कुछ नही रह
गया।

बाबास्वामी
24/12/15

शुक्रवार

124

25.12.15

आत्मशान्ती

आत्मशान्ती को प्राप्त करने के अपने २४ घंन्टे मे से आधा घंटा दो।

बाबास्वामी

25/12/15

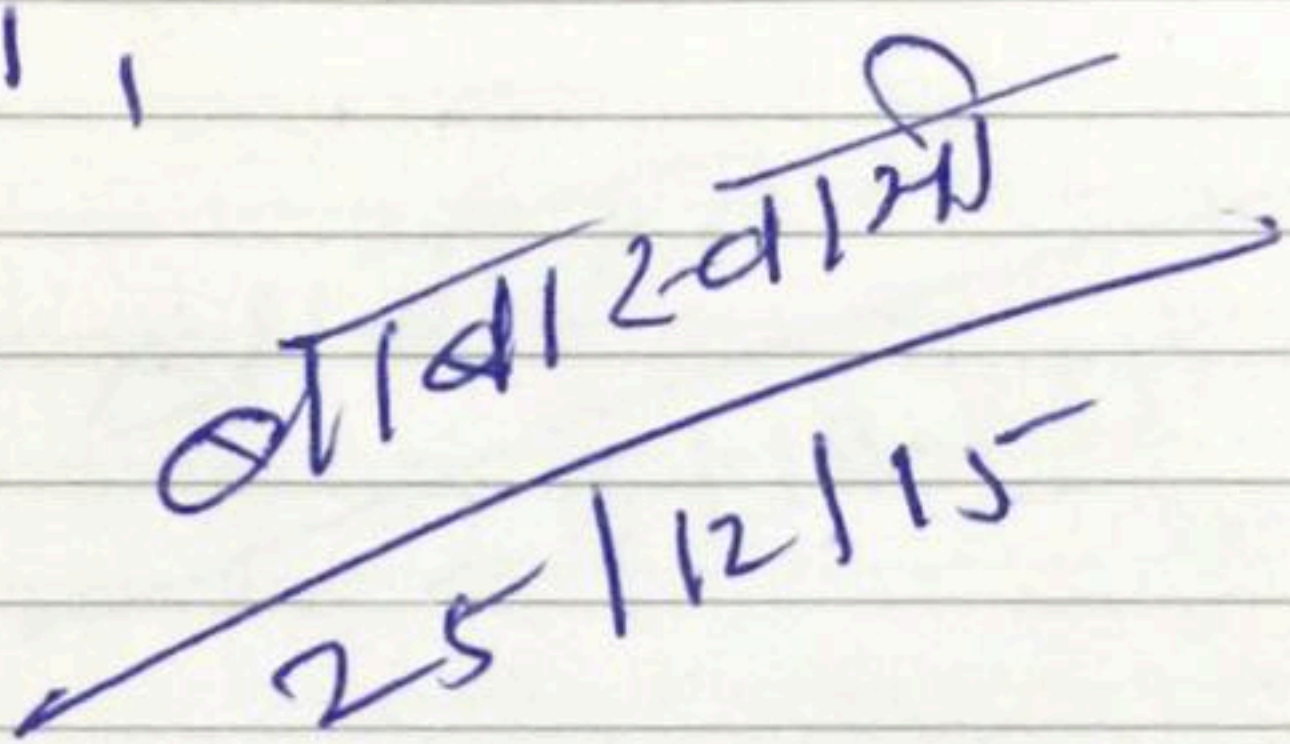

शनीवार 125

26.12.15

आत्मशांन्ति

यह आशा धांगा आपके जिवन मे अंन्तीम सांस तक काम मे आयेगा

बाबा स्वामी
26/12/15

रविवार 126

27.12.15

आत्मशान्ती

अपने जिवन मे आत्मा के साथ बीताया गया "समय" ऐसा इनवेस्टमेंन्ट है, जो कोई आपसे छीन नही सकता है,

बाबा स्वामी

27/12/15

मंगलवार 128
29.12.15

वैस्विक प्रदुषण

वैचारीक प्रदुषण की समस्या सबसे बडी विश्व की समस्या है, इस ओर कीसी का भी ध्यान नही है,

[signature]
29/12/15

गुरुवार
31.12.15
(कच्छ रण)

आत्मशांन्ती

अरे बाबा "जिना" तो छोडो
आत्मशांन्ती के बीना शरीर
से "प्राण" भी जल्दी
निकलते नही है, "मृत्यु"
की "भिख" मांगते हुये
लोग देखता हु।

बाबा वामी
31/12/15